भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1129
उत्तर देने की तारीख 02.12.2024

आधुनिक कला संग्रहालय

1129. श्रीमती गनीबेन नागाजी ठाकोर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आधुनिक कला को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) गुजरात राज्य में संचालित किए जा रहे आधुनिक कला संग्रहालयों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की भविष्य में आधुनिक कला का नया संग्रहालय स्थापित करने की कोई योजना है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए), दिल्ली संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) का अधीनस्थ कार्यालय है। आधुनिक और समकालीन भारतीय कला के लिए भारत का प्रमुख कला संस्थान है। इसका एक मात्र उद्देश्य आधुनिक भारतीय कला का संवर्धन और परिरक्षण करना है। बेंगलुरू और मुंबई में इसकी दो शाखाएं हैं। राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) भारत में कलाकारों, संग्रहाध्यक्षों और कला प्रेमियों के लिए मंच प्रदान करते हुए आधुनिक और समकालीन कला को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके पास भारतीय और विदेशी मूल, दोनों की 17000 से अधिक आधुनिक कृतियां मौजूद हैं जो लगभग 1850 ईस्वी के बाद की हैं और 160 वर्ष से भी अधिक पुरानी हैं।

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय नियमित प्रदर्शनियां आयोजित करने हेतु मंच भी प्रदान करता है जिनमें विविध प्रकार की आधुनिक और समकालीन भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय कला को प्रदर्शित किया जाता है। ये प्रदर्शनियां सुप्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ उदीयमान प्रतिभाओं की कृतियों को भी प्रस्तुत करती हैं। विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों और शैलियों को प्रस्तुत करते हुए, यह संग्रहालय आधुनिक कला में उभरते रुझानों से दर्शकों का परिचय कराता है।

एनजीएमए में प्रशिक्षुता: कला और संग्रहालय से संबंधित विषयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु एनजीएमए अंत:कार्य (ऑन-द-जॉब) प्रशिक्षुता प्रदान करता है।

ज्ञान के प्रसार के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाने हेतु, हम अपने विशाल संग्रह के लिए कार्य करने और संग्रहालय विज्ञान से संबंधित प्रमुख सिद्धान्तों का अनुभव प्राप्त करने हेतु उत्साही युवा व्यावसायिकों को अवसर प्रदान करते हैं। यह पहल सुनिश्चित करती है कि हमारा अनुभवी स्टाफ संग्रहालय व्यावसायिकों की भावी पीढ़ी को परामर्श और प्रशिक्षण प्रदान कर सके।

गाइडिड टूर स्वेच्छाकर्मी कार्यक्रम: एनजीएमए द्वारा ज्ञान के प्रसार संबंधी शैक्षिक उद्देश्यों को सर्वोपरि रखा जाता है। हमारे दृष्टिकोण के इस महत्वपूर्ण पहलू को पूरा करने के लिए हम विद्यार्थियों, समय-समय पर आने वाले गणमान्य व्यक्तियों और आम जनता को संग्रहालय भ्रमण में गाइड करने हेतु उत्प्रेरित और उत्साही युवा स्वेच्छाकर्मियों की तलाश करते हैं। हमारा दो सप्ताह का प्रशिक्षण मॉड्यूल स्वेच्छाकर्मियों को एनजीएमए के संग्रह, इसके सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय आधुनिक कला समाज में संग्रहालयों की उभरती भूमिका और विभिन्न कला सृजन तकनीकों में मजबूत आधार प्रदान करते हुए, उन्हें सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय द्वारा संग्रहालय अनुदान स्कीम संचालित की जाती है जिसके अंतर्गत केन्द्रीय/राज्य सरकारों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत सोसाइटियों, स्वायत्त निकायों, स्थानीय निकायों और न्यासों को राज्य और जिला स्तर पर नए संग्रहालय की स्थापना/मौजूदा संग्रहालय के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। संग्रहालय अनुदान स्कीम के दिशानिर्देश मंत्रालय की वेबसाइट www.indiaculture.gov.in पर उपलब्ध हैं।

(ख): गुजरात राज्य में संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कोई आधुनिक कला संग्रहालय मौजूद नहीं है।

(ग): ऐसा कोई प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन नहीं है।

****